*नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त*

**महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा**

**Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha**

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

*(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)*

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

---

## 'मध्य भारत में देशज संस्कृति, भाषा एवं जेंडर के प्रश्न' पर
## हिंदी विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी मंगलवार से

वर्धा, 28 मार्च 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में मध्य भारत में देशज संस्कृति, भाषा एवं जेंडर के प्रश्न विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (29, 30 एवं 31 मार्च) का आयोजन स्त्री अध्ययन विभाग एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। संगोष्ठी का उदघाटन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र हबीब




तनवीर सभागार में 29 को सुबह 10 बजे करेंगे। उदघाटन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई की प्रो. इलीना सेन, आई. आई. टी. हैदराबाद के प्रो. नंदकिशोर आचार्य, दयामनी बारला उपस्थित रहेंगे। स्वागत वक्तव्य संस्कृति विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. लेला कारुण्यकरा देंगे तथा स्त्री अध्ययन विभाग की प्रभारी डॉ. सुप्रिया पाठक संगोष्ठी का परिचय देंगी।

संगोष्ठी में भारतीय संदर्भ राज्य, देशजता एवं जेंडर के प्रश्न, देशजता के विभिन्न प्रश्न, विकास की राजनीति देशज प्रतिरोध एवं जेंडर, मध्य भारत की आदिवासी महिलाएं एवं वर्तमान चुनौतियां इन उप-विषयों पर विमर्श होगा। संगोष्ठी में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्रतिभागी शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। संगोष्ठी में सहभागिता करने की अपील स्त्री अध्ययन विभाग की

प्रभारी डॉ. सुप्रिया पाठक, सहायक प्रोफेसर तथा संगोष्ठी संयोजक डॉ. अवंतिका शुक्ला, सहायक प्रोफेसर तथा संगोष्ठी के सह-संयोजक चरनजीत ने की है।

संगोष्ठी के उपलक्ष्य में मंगलवार को शाम 7.00 बजे नितप्रिया प्रलय की परिकल्पना एवं निर्देशन में लेखिका नाज़िमा हुसैन, पाकिस्तान का नाटक 'खिलौना' का प्रदर्शन होगा। नाटक का नाट्य रूपांतर आशीष कुमार ने किया है तथा सह निर्देशन ओमप्रकाश ओम का है। इस अवसर पर उपस्थित रहने का आहवान विवि की ओर से किया गया है।